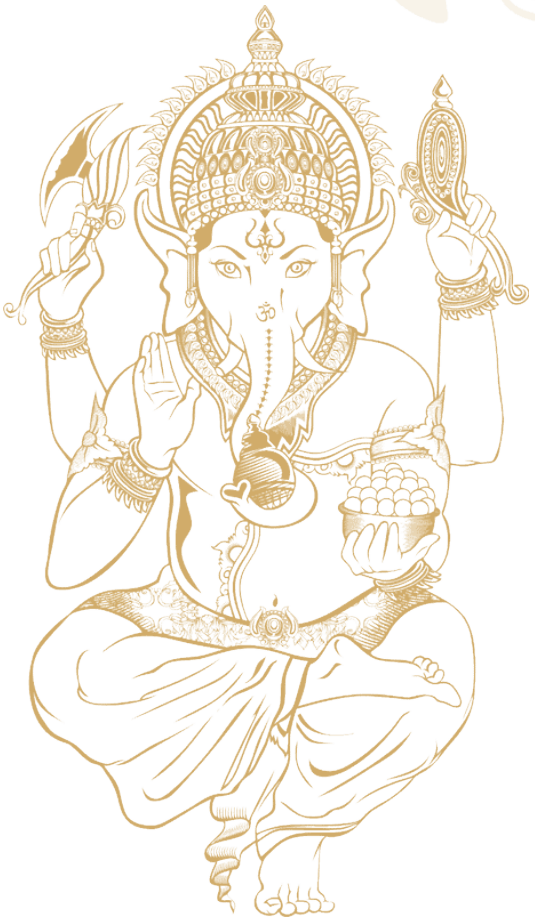

Durga p dubey

Shiwangi Tiwari

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121858409

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
13/04/1994	जन्म तिथि	03/03/1996
बुधवार	दिन	रविवार
घंटे 12:00:00	जन्म समय	16:50:27 घंटे
घटी 14:33:54	जन्म समय(घटी)	24:53:49 घटी
India	देश	India
Nasirabad	स्थान	Gola Bazar
26:18:00 उत्तर	अक्षांश	26:21:00 उत्तर
74:44:00 पूर्व	रेखांश	83:20:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:31:04	स्थानिक संस्कार	00:03:20 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:10:26	सूर्योदय	06:18:34
18:53:25	सूर्यास्त	17:58:57
23:46:51	चित्रपक्षीय अयनांश	23:48:20

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
शुक्र 4वर्ष 4मा 9दि	29:04:51	मिथु	लग्न	सिंह	04:59:59	बुध 3वर्ष 0मा 29दि
राहु	29:19:32	मीन	सूर्य	कुंभ	19:21:57	सूर्य
22/08/2021	23:45:39	मेष	चंद्र	कर्क	27:35:00	02/04/2026
22/08/2039	05:04:04	मीन	मंगल	कुंभ	19:36:14	02/04/2032
राहु 04/05/2024	12:19:36	मीन	बुध	मक	29:50:24	सूर्य 21/07/2026
गुरु 28/09/2026	18:06:42	तुला व	गुरु	धनु	18:20:35	चन्द्र 20/01/2027
शनि 04/08/2029	20:19:32	मेष	शुक्र	मेष	03:15:58	मंगल 27/05/2027
बुध 21/02/2032	14:48:48	कुंभ	शनि	मीन	01:53:57	राहु 20/04/2028
केतु 10/03/2033	00:09:49	वृश्चि व	राहु व	कन्या	23:43:44	गुरु 06/02/2029
शुक्र 10/03/2036	00:09:49	वृष व	केतु व	मीन	23:43:44	शनि 19/01/2030
सूर्य 02/02/2037	02:25:58	मक	हर्ष	मक	09:03:17	बुध 26/11/2030
चन्द्र 04/08/2038	29:31:42	धनु	नेप	मक	03:05:19	केतु 03/04/2031
मंगल 22/08/2039	03:47:53	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	09:18:31	शुक्र 02/04/2032

लग्न-चलित

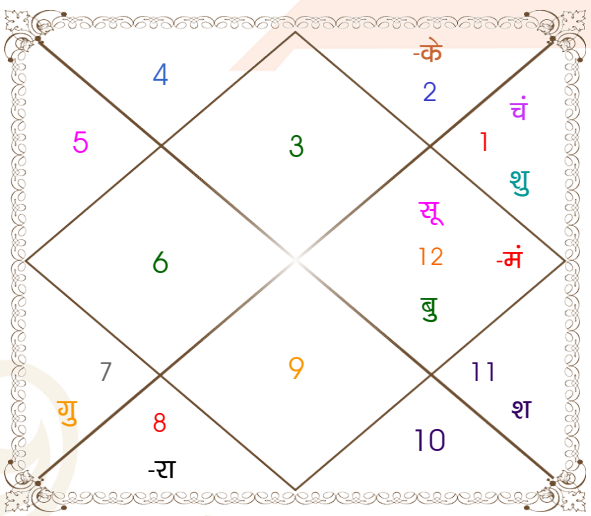

लग्न-चलित

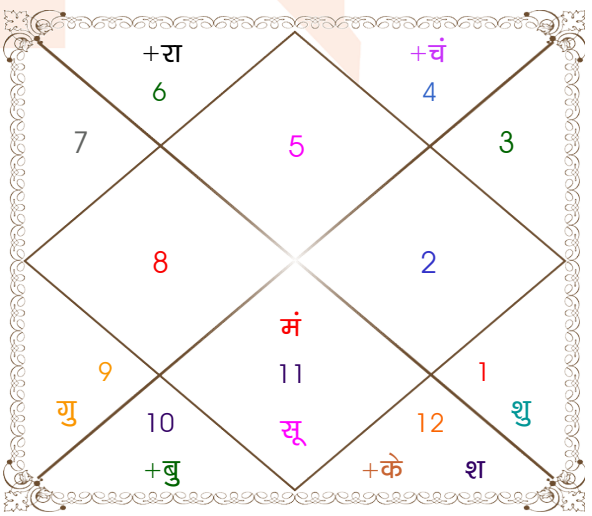

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गज	मार्जार	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	चन्द्र	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	मेष	कर्क	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	23.50		

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

क्नतहं च कनइमल का वर्ग मृग है तथा ौपूंदहप ज्पूंतप का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार क्नतहं च कनइमल और ौपूंदहप ज्पूंतप का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

क्नतहं च कनइमल मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।

ौपूंदहप ज्पूंतप मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु क्नतहं च कनइमल कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

क्नतहं च कनइमल तथा ौपूंदहप ज्पूंतप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।